

अपना राजकाज

ज्ञारखंड में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण करें अफसर: गवर्नर

बैठक



राजभवन में बृद्धगवर को मुख्य सचिव एवं खियांते और डीजीपी अनुराग गुप्ता के साथ बुधवार को राजभवन में बैठक की है। उन्होंने मुख्य सचिव एवं खियांते और डीजीपी अनुराग गुप्ता के साथ बुधवार को राजभवन में बैठक की। गवर्नर ने मुख्य सचिव से राज्य में संचालित एवं कल्याणकारी योजनाओं के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की और डीजीपी को राज्य में विधि व्यवस्था बनाने रखने का निर्देश दिया।

अपराध नियंत्रण पर निर्देश

- अधिकारी ऐसी कार्रवाई करें जिससे किसी को शिकायत न रहे।
- साइबर क्राइम और घोषाधारी पर तत्काल शिकायत दर्ज करें।
- आम लोगों के दर्द मुकदमा पर प्रभावी कार्रवाई करें।

साइबर क्राइम और घोषाधारी के मामले बढ़ रहे हैं। ऐसे मामलों में तत्काल शिकायत के आधार पर

ट्रैफिक व्यवस्था पर कार्रवाई कार्ययोजना बनाने कहा

गवर्नर ने शहर की यातायात व्यवस्था पर भी चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि जामुकुत शहरों की दिशा में कारगर कार्ययोजना बनाकर उसे धन्तवत पर उतारा जाए। ट्रैफिक यात्रा में नियंत्रण के लिए दूरवात नियंत्रण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बदलते दौर में यह भी देखा जा रहा है कि लोग बहुत जट आए खो दे रहे हैं। हमें इससे बचने की जरूरत है। संकारामक रहकर भी चुनौतियों को पार किया जा सकता है।

मुकदमा दर्ज कर प्रभावी कार्रवाई की जानी चाहिए। पुलिस को आम लोगों का भी खास खाल रखना चाहिए।

उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था प्रभावी हो तो काफी चीजें खुद ब खुद नियंत्रित हो जाती हैं।

बिजली दर बढ़ाने की तैयारी जनसुनवाई प्रक्रिया 21 से

रांची, हिन्दुस्तान ब्लूरो। ज्ञारखंड बिजली

विभाग नियम (जीवीएनएल) की विज्ञापन दरों में बढ़ाती हो सकती है।

नियम के ट्रैफिक प्रत्यावरपर नियंत्रण लेने से पहले जनसुनवाई का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। ज्ञारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग की ओर से जीवीएनएल के प्रस्ताव पर उपभोक्ताओं और सरकार होल्डर्स से आपत्तियां मार्फ़हूँ हैं।

जनसुनवाई की प्रक्रिया की शुरुआत 21 अगस्त से शुरू होगी। इसके बाद धनबाद, देवधर, डालटनांज और रांची में जनसुनवाई होगी। सुनवाई पूरी करने के बाद राज्य विद्युत नियमक आयोग

एनसीएसटी संताल में बदलती डेमोग्राफी की करेगा जांच

रांची। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) की तीन सदस्यीय टीम 11 से 13 साल तक संघात परामर्श देने का भ्राण्य करेगा।

इस दौरान टीम संघात परामर्श देने के लिए बदल रही डेमोग्राफी की जांच करेगी। इस टीम में डॉ. आशा लकड़ा, जाटेतु हुसैन और निरुपम चाकमा शामिल हैं।

जीवीएनएल ने ट्रैफिक प्रत्यावरपर कर उभोक्ता से आपत्ति भी मार्फ़हूँ ही। आरपात के बाद अयोगोंने मुख्य सचिव एवं संभावना जाता जाती है कि ज्ञादा लोड उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। जनसुनवाई की प्रक्रिया समाप्त होने के बाद राज्य विद्युत नियमक आयोग दरों की घोषणा करेगा।

उल्लेखनीय है कि जीवीएनएल ने विशेष वर्ष 2024-25 के में प्रति वर्ष एक घरेलू बिजली में 2.85 रुपये बढ़ाने का प्रत्यावरपूर्व में दिया है। वर्तमान दर 6.65 रुपये प्रति वर्ष बूनिट दर है। इसके साथ एनसीएसटी चार्जर्स में भी बढ़ाती की प्रस्ताव है। जीवीएनएल ने ट्रैफिक प्रत्यावरपर कर उभोक्ता से आपत्ति भी मार्फ़हूँ ही। आरपात के बाद अयोगोंने मुख्य सचिव एवं संभावना जाता जाती है कि ज्ञादा लोड उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। जनसुनवाई की प्रक्रिया समाप्त होने के बाद आयोग ने यह नियंत्रण के बाद आयोग ने यह नियंत्रण किया।

रांची, हिन्दुस्तान ब्लूरो। तेनुधात विद्युत नियम लिमिटेड में 100 करोड़ रुपये के बैंक फिक्स्ड डिपोजिट (एफडी) में गड़वाई। बारे सोचे समझे एवं नियम विद्युत 11 बैंकों से मिलकर कम व्यापक दर पर फिक्स्ड डिपोजिट जमा कर दिया है।

जीवीएनएल के लिए एक घरेलू बिजली का लोकर अपरात के बाद अयोगोंने मुख्य सचिव एवं संभावना जाता जाती है कि ज्ञादा लोड उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। जनसुनवाई की प्रक्रिया समाप्त होने के बाद आयोग ने यह नियंत्रण के बाद आयोग ने यह नियंत्रण किया।

रांची। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) की तीन सदस्यीय टीम 11 से 13 साल तक संघात परामर्श देने का भ्राण्य करेगा। इस दौरान टीम संघात परामर्श देने के लिए बदल रही डेमोग्राफी की जांच करेगी। इस टीम में डॉ. आशा लकड़ा, जाटेतु हुसैन और निरुपम चाकमा शामिल हैं।

जीवीएनएल के लिए एक घरेलू बिजली का लोकर अपरात के बाद अयोगोंने मुख्य सचिव एवं संभावना जाता जाती है कि ज्ञादा लोड उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। जनसुनवाई की प्रक्रिया समाप्त होने के बाद आयोग ने यह नियंत्रण के बाद आयोग ने यह नियंत्रण किया।

रांची, हिन्दुस्तान ब्लूरो। तेनुधात विद्युत नियम लिमिटेड में 100 करोड़ रुपये के बैंक फिक्स्ड डिपोजिट (एफडी) में गड़वाई। बारे सोचे समझे एवं नियम विद्युत 11 बैंकों से मिलकर कम व्यापक दर पर फिक्स्ड डिपोजिट जमा कर दिया है।

जीवीएनएल के लिए एक घरेलू बिजली का लोकर अपरात के बाद अयोगोंने मुख्य सचिव एवं संभावना जाता जाती है कि ज्ञादा लोड उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। जनसुनवाई की प्रक्रिया समाप्त होने के बाद आयोग ने यह नियंत्रण के बाद आयोग ने यह नियंत्रण किया।

रांची, हिन्दुस्तान ब्लूरो। तेनुधात विद्युत नियम लिमिटेड में 100 करोड़ रुपये के बैंक फिक्स्ड डिपोजिट (एफडी) में गड़वाई। बारे सोचे समझे एवं नियम विद्युत 11 बैंकों से मिलकर कम व्यापक दर पर फिक्स्ड डिपोजिट जमा कर दिया है।

जीवीएनएल के लिए एक घरेलू बिजली का लोकर अपरात के बाद अयोगोंने मुख्य सचिव एवं संभावना जाता जाती है कि ज्ञादा लोड उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। जनसुनवाई की प्रक्रिया समाप्त होने के बाद आयोग ने यह नियंत्रण के बाद आयोग ने यह नियंत्रण किया।

रांची, हिन्दुस्तान ब्लूरो। तेनुधात विद्युत नियम लिमिटेड में 100 करोड़ रुपये के बैंक फिक्स्ड डिपोजिट (एफडी) में गड़वाई। बारे सोचे समझे एवं नियम विद्युत 11 बैंकों से मिलकर कम व्यापक दर पर फिक्स्ड डिपोजिट जमा कर दिया है।

जीवीएनएल के लिए एक घरेलू बिजली का लोकर अपरात के बाद अयोगोंने मुख्य सचिव एवं संभावना जाता जाती है कि ज्ञादा लोड उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। जनसुनवाई की प्रक्रिया समाप्त होने के बाद आयोग ने यह नियंत्रण के बाद आयोग ने यह नियंत्रण किया।

रांची, हिन्दुस्तान ब्लूरो। तेनुधात विद्युत नियम लिमिटेड में 100 करोड़ रुपये के बैंक फिक्स्ड डिपोजिट (एफडी) में गड़वाई। बारे सोचे समझे एवं नियम विद्युत 11 बैंकों से मिलकर कम व्यापक दर पर फिक्स्ड डिपोजिट जमा कर दिया है।

जीवीएनएल के लिए एक घरेलू बिजली का लोकर अपरात के बाद अयोगोंने मुख्य सचिव एवं संभावना जाता जाती है कि ज्ञादा लोड उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। जनसुनवाई की प्रक्रिया समाप्त होने के बाद आयोग ने यह नियंत्रण के बाद आयोग ने यह नियंत्रण किया।

रांची, हिन्दुस्तान ब्लूरो। तेनुधात विद्युत नियम लिमिटेड में 100 करोड़ रुपये के बैंक फिक्स्ड डिपोजिट (एफडी) में गड़वाई। बारे सोचे समझे एवं नियम विद्युत 11 बैंकों से मिलकर कम व्यापक दर पर फिक्स्ड डिपोजिट जमा कर दिया है।

जीवीएनएल के लिए एक घरेलू बिजली का लोकर अपरात के बाद अयोगोंने मुख्य सचिव एवं संभावना जाता जाती है कि ज्ञादा लोड उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। जनसुनवाई की प्रक्रिया समाप्त होने के बाद आयोग ने यह नियंत्रण के बाद आयोग ने यह नियंत्रण किया।

रांची, हिन्दुस्तान ब्लूरो। तेनुधात विद्युत नियम लिमिटेड में 100 करोड़ रुपये के बैंक फिक्स्ड डिपोजिट (एफडी) में गड़वाई। बारे सोचे समझे एवं नियम विद्युत 11 बैंकों से मिलकर कम व्यापक दर पर फिक्स्ड डिपोजिट जमा कर दिया है।

जीवीएनएल के लिए एक घरेलू बिजली का लोकर अपरात के बाद अयोगोंने मुख्य सचिव एवं संभावना जाता जाती है कि ज्ञादा लोड उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। जनसुनवाई की प्रक्रिया समाप्त होने के बाद आयोग ने यह नियंत्रण के बाद आयोग ने यह नियंत्रण किया।

रांची, हिन्दुस्तान ब्लूरो। तेनुधात विद्युत नियम लिमिटेड में 100 करोड़ रुपये के बैंक फिक्स्ड डिपोजिट (एफडी) में गड़वाई। बारे सोचे समझे एवं नियम विद्युत 11 बैंकों से मिलकर कम व्यापक दर पर फिक्स्ड डिपोजिट जमा कर दिया है।

जीवीएनएल के लिए एक घरेलू बिजली का लोकर अपरात के बाद अयोगोंने मुख्य सचिव एवं संभावना जाता जाती है कि ज्ञादा लोड उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। जनसुनवाई की प्रक्रिया समाप्त होने के बाद आयोग ने यह नियंत्रण क

ग्राउंड रिपोर्ट

झारखण्ड में विधानसभा चुनाव दहलीज पर है। इसको लेकर प्रशासनिक तैयारी भी शुरू कर दी गई है। राजनीतिक दल भी तरकश में तीर सजाने लगे हैं। इस बीच गढ़वा विस पर गौर फरमाएं, तो आजादी के बाद से यहाँ काफी विकास हुआ है, लेकिन अभी और की जरूरत है। बेहतर उच्च शिक्षण संस्थान और बड़े अस्पताल का अभाव है। रोजगार के भी साधन नहीं हैं। पलायन बड़ी समस्या है। हाँ, सड़क बनने से गांवों की कनेक्टिविटी जरूर बढ़ी है।

छह बार कांग्रेस और तीन दफा भाजपा का रहा कब्जा

गढ़वा

गढ़वा। गढ़वा अनारक्षित विस सीट है। इस सीट पर आजाद भारत के बहले विस चुनाव 1952 से लेकर अबतक छह बार कांग्रेस के बाजा रहा। वहीं पूर्व विधायक परिनाम सिंह का 25 साल तक एकछत्र राज रहा। अबतक गढ़वा विस सीट पर तीन बार भाजपा के अलावा जनता दल और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने दो-दो बार जीत दर्भी की। स्वतंत्र पार्टी, जनसंघ, जनता पार्टी और झावियों के प्रत्याशियों को स्थानीय मतदाताओं ने एक-एक बार ही प्रतिनिधित्व करने का मौका दिया। इस सीट पर 2019 के चुनाव में बहली बार झामुओं जीत करने से सफल रहा। 1952 में हुए चुनाव में हुसैनबाद सह गढ़वा को मिलाकर एक विस सीट के लिए दो विधायक चुने गए थे। 1952 से 1957 के लिए देवचंद राम पासी और राजकिशोर सिंह हा कांग्रेस के टिकट पर विधायक चुने गए थे। 1957 से 1962 तक कांग्रेस की राजस्वरी सरोज राम विधायक रहे। वहीं 1962 से 1967 तक स्वतंत्र पार्टी की टिकट पर राम विधायक रहे। वहीं 1967-1969 के लिए सप्तन उप चुनाव में गढ़वा के लक्ष्मी प्रसाद के शरीर निवारित हुए।

(2024)



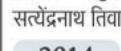
कुल मतदाता

414136

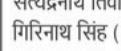


पुरुष मतदाता
213935
महिला मतदाता
200201

2019



मिथिलेश ठाकुर (झामुओ)



सत्येन्द्रनाथ तिवारी (भाजपा)



मिरिनाथ सिंह (राजद)



सत्येन्द्रनाथ तिवारी (भाजपा)



मिरिनाथ सिंह (राजद)



उम्मीदवार से बातचीत

66



समीक्षकों में बहुमुखी

रही है। यह बात

क्षेत्र की जनता खुद बता

रही है। गढ़वा

को पहले पिछो

जिले के रूप में

जाना जाता था।

मैंने गढ़वा के

पिछोपान के

धब्बे को समाप्त

करने का

प्रयास किया है।

गढ़वा विस क्षेत्र

के लिए एक

विकास की

समीक्षकों में सड़कों

को इमरजेंसी

प्रदर्शन करने की

प्रतिशत

की जिम्मेदारी

क

एसटीएफ से आशीष को गिरफ्तार कराना चाहता था अमन सिंह

नि एसवलूसिव



अमन सिंह। • फाइल फोटो

रविकांत झा

धनबाद, गैंगस्टर अमन सिंह की हत्या की सचित्र को सीआईडी परत दर-दर खोल रही है। सीआईडी जांच में बात सामने आ रही है कि रंगदारी के पैसे के बटवारे के विवाद में आशीष रंजन और रिक्स सिंह ने जेल के बाहर और सतीश साव डंक गांधी और विकास बजरंगी ने जेल के अंदर रहकर अमन की हत्या की सजिश रची।

आशीष रंजन और रिक्स सिंह को पता चल था कि अमन सिंह यूपी एसटीएफ के जरिए दोनों को पकड़वाना चाहता है। इसलिए दोनों ने अमन को रखते से हटा दिया। कानून की नजर में किसी भी मर्डर में

- अमन की गलफिंड के साथ गिरफ्तार कुंदन ने सीआईडी के समक्ष किया खुलासा
- मेदिनीनगर जेल में सीआईडी ने लिया बयान, कहा- सबका थी अमन से खुदक

- अमन रवाना के भाई के इलाज के लिए अमन सिंह ने नहीं दिया था पैसा
- चंदन यादव के माई की बारात को भाट में बदल देने की दी थी धमकी

पिंटू ने अमन से कहा था- कोई किसी से कम नहीं

कुंदन ने सीआईडी को बताया कि अमन से अलग होने के बाद विकास बजरंगी पिंटू सिंह के आगे-पीछे करने लगा। इसपर अमन ने पिंटू को बोला था कि बजरंगी और गांधी को अपने साथ मत रखो। इसपर पिंटू ने अमन सिंह की बात मानने से इनकार कर दिया था, जिससे अमन ने पिंटू से कहा- था- खुन-खराब हो जाओ। जबाब में पिंटू सिंह ने भी धमकी दी थी कि कोई किसी से कम नहीं है, देख लौंगे।

सीआईडी को दिए बयान में बताया है कि हत्या में शामिल हर आरोपी अमन सिंह से खुदक खाए बैठा था। जेल के अंदर अमन सिंह और गांधी व विकास बजरंगी अलग-अलग गुट में बंट गए थे। आशीष रंजन-उर्फ रोहित ने गलफिंड सलोनी के शास्त्र जेल गए पुस्की के श्रीनगर न्यू कॉलोनी निवासी कुंदन धिकार उर्फ रोहित ने सीआईडी के समक्ष हत्या से जुड़े कई तथ्यों का खुलासा किया है।

मेदिनीनगर जेल में कुंदन धिकार ने मोटिव (मक्सद) का विशेष महत्व होता है। सीआईडी ने चार्जर्सीट में अमन की हत्या के पैछे कांड में आरोपी बनाए गए हर शख्स के मक्सद का पता लगाने का प्रयास किया है। अमन सिंह की गलफिंड सलोनी के शास्त्र जेल गए पुस्की के श्रीनगर न्यू कॉलोनी निवासी कुंदन धिकार उर्फ रोहित ने सीआईडी के समक्ष हत्या से जुड़े कई तथ्यों का खुलासा किया है।

मेदिनीनगर जेल में कुंदन धिकार ने

कबाड़ी पट्टी में डेंगू का मरीज मिलने के बाद भी नहीं जागा नगर निगम प्रशासन

लापरवाही: कबाड़ी पट्टी के हर घर में मंडरा रहा डेंगू का खतरा

नि पड़ताल



डेंगू मरीज पिले तो पहली बार दिखी फॉर्मिंग गाड़ी

भूती मोड़ स्थित कबाड़ी पट्टी में गंदी व जलजमाव से डेंगू की आशंका बढ़ी।

डेंगू मरीज पिले तो पहली बार दिखी फॉर्मिंग गाड़ी

नगर आयुक्त रविराज शर्मा ने बताया कि दिन क्षेत्रों में डेंगू के मरीज मिल रहे हैं, वहाँ विशेष अधिकारी वराकार के निर्देश दिया गया है। शहर में भी बरसात की वजह से फॉर्मिंग करारे की स्पीड बढ़ा दी गई है।

प्रभावित क्षेत्रों में विशेष फॉर्मिंग का निर्देश

नगर आयुक्त रविराज शर्मा ने बताया कि दिन क्षेत्रों में डेंगू के मरीज मिल रहे हैं, वहाँ विशेष अधिकारी वराकार के निर्देश दिया गया है। शहर में भी बरसात की वजह से फॉर्मिंग करारे की स्पीड बढ़ा दी गई है।

20 दिन पहले यहाँ डेंगू मरीज मिलने के बाद नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंची। ब्लॉकिंग का छिड़काव

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई। इसके बाद दोबारा वहाँ फॉर्मिंग गया।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

किया गया। नगर निगम की कोल्ड फॉर्मिंग मरीजों से फॉर्मिंग भी कराई गई।

2444 पद, 1450 आवेदक पहुंचे, 230 को मिली नौकरी

रोजगार मेला

धनबाद, मुख्य संचावदाता। अबर प्रदेशिक नियोजनालय में रोजगार मेले का आयोजन किया जाता है। इसके लिए दिनांक 2024 का नियमित बुधवार को दिया गया है। मेले को लेकर दिनांक 2024 की प्रतिनिधि में गहरामार्ही का माहात्मा रहा।

नियमित कंपनियों ने 2444 पद के लिए 1450 आवेदक रोजगार मेले में पहुंचे।

कंपनियों की ओर से विभिन्न प्रक्रियाएँ प्रारंभ की जाती हैं। आवेदकों को चयनित किया जाता है। वहीं 217 आवेदकों को शॉर्टलिस्टेड किया जाता है। रोजगार मेले में 21 कंपनियों के प्रतिनिधि पहुंचे। एक संस्थान के प्रतिनिधि



बुधवार के दोपहर टेंगड़ी रोजगार मेले में बुधवार को नियुक्ति-पत्र दिखाते चयनित युवक।

अनुपरिष्ठ रहे। इससे पहले मुख्य कुमार, श्रम अधीक्षक रंजीत कुमार, मुख्य प्रशिक्षण अधिकारी राकेश शंभु नाथ वर्मा, श्रम अधीक्षक प्रवीण

कुमार, श्रम अधीक्षक रंजीत कुमार ने उद्घाटन किया। मौके पर कई चयनित अन्धर्थीयों को नियुक्ति-पत्र

सक्रिय रहे।

कुलपति की अध्यक्षता में दीक्षांत समारोह को कमेटी की हुई बैठक, लिया गया अहम निर्णय

बीबीएमकेयू में दिसंबर के पहले सप्ताह में दीक्षांत समारोह संभव

धनबाद, मुख्य संचावदाता। बीबीएमकेयू का दूसरा दीक्षांत समारोह दिसंबर के पहले सप्ताह में संभवित है। कुलपति प्रो. रामकुमार सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को दीक्षांत समारोह कोर के दोपहर की बैठक हुई। बैठक में नियमित लिया गया कि विभिन्न कंपनियों के लिए नियमित सप्ताह में आयोजन हो। इसकी तैयारी शुरू की जाएगी। 80 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं को दिया जाएगा।

बातें चलें कि बोते दो साल से

छात्र-छात्राएं औरिजिनल डिग्री का इंतजार कर रहे हैं। दीक्षांत समारोह नहीं होने के कारण डिग्री नहीं मिल रही है।

बैठक के बाद संभावना जरूर जारी ही है कि दिसंबर में यह आयोजन हो। कोर कमेटी में कुलपति अध्यक्ष, प्रतिकुलपति प्रो. पवन कुमार पोराण, डीएसडब्ल्यू डॉ

- समारोह में 80 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं को दिया गया।
- दो साल से छात्र-छात्राएं औरिजिनल डिग्री का कर रहे हैं इंतजार।

बैठक में आउटसोर्सिंग कर्मियों का भी उतारा मुदा

धनबाद। बीबीएमकेयू प्रशासनिक भवन में बुधवार को कुलपति प्रो. रामकुमार की अध्यक्षता में बुधवार को अंगीरूपी कॉर्पोरेशन के प्रार्थीयों की बैठक हुई। बैठक में कॉर्पोरेशन प्रार्थीयों ने विभिन्न बातों को कुलपति के सम्मान रखी। बैठक में आउटसोर्सिंग कर्मियों का मामला उता। कई प्रार्थीयों के लिए कि कॉर्पोरेशन की ओर से जितनी राशि का भुगतान किया जा रहा है। कर्मियों को उससे कम पेंट हो रहा है। कर्मी हालांग के पास आएर आजाए उतारे हैं। विभिन्न के अधिकारी ने कहा कि यह जानकारी दी जाएगी कि किनता पैसा किस मद में कट रहा है। इस मामले में कई अन्य जानकारी दी गई। श्रम विभाग के प्रावधान का पालन कर पेंट किया जाएगा। वहीं आउटसोर्सिंग कर्मियों का मामला श्रम विभाग में चल रहा है।

पुष्पा कुमारी, प्रिंटर डॉ अंजीत कुमार, रजिस्ट्रार डॉ कौशल कुमार, सदस्य सचिव परीक्षा निवारक डॉ सुमन कुमार

वर्णवाल, सीसीडीसी, एफोस, प्राचार्य डॉ प्रवीण सिंह व डॉ उमा मार्गशरी

प्रो. पवन कुमार पोराण, डीएसडब्ल्यू डॉ

लंबोदर महोत्कारे उतारा सवाल का मांगा जवाब

गोपिया विधायक लंबोदर बहुतांगी ने राजभवन में बीबीएमकेयू से संवादित विभिन्न मामले को उतारा था। अब राजभवन ने बीबीएमकेयू से मामले में जवाब मांगा है। इनमें क्षेत्रीय भाषा कुडाली, खोराठा व सारांगी में पीजी की पढाई शुरू करने, बिनोद बाबू की पढाई शुरू करने, पीजी विभाग में प्रयोगशाला व पुस्तकालय नहीं होने, मास क्युनियेक्शन विभाग में मीडिया लैब की स्थापना व तीन कॉर्पोरेशन में पीजी की पढाई शुरू करने के मामले शामिल हैं।

परीक्षा 20 अगस्त से शुरू होकर 28 अगस्त तक चलेगी।

परीक्षा दो पाली में ली जाएगी।

प्रैक्टिकल प्रैक्टिक 30 अगस्त से

छात्र सिंतंबर के बोल्ड व ओल्ड सेशन के छात्र-छात्राओं की परीक्षा 20 अगस्त से शुरू होगी।

परीक्षा 20 अगस्त तक चलेगी।

दो पाली में पीजी लेने की धोषणा की गई। विभिन्न विषयों को दो ग्रुप में बांटा गया है।

परीक्षा के संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है। वहीं परीक्षा में कई गड़बड़ी न हो इस पर भी विचार मंथन किया गया।

परीक्षा के संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है। वहीं परीक्षा में चल रहा है।

परीक्षा 20 अगस्त से शुरू होगी।

कार्वाई: कड़ी सुरक्षा के बीच बरोरा में अवैध खनन स्थल की मराई

बरोरा, प्रतिनिधि। कोयला मंत्रालय के निर्देश पर बरोरा क्षेत्र के एसएमपी कोलियरी प्रबंधन ने बुधवार को सापलो, दुन्हु (महेशपुर) के समीप अवैध खनन स्थल के मुहाना और वहां पहुंचने वाले रसें पर बड़े-बड़े टोटोग्राफ भी डालने का निर्देश दिया गया। अंदरखाने सुन्ना ही कि संभवतः खनन प्रार्थी एप के माध्यम से इसकी शिकायत की गई थी।

बरोरा क्षेत्र के एसएमपी कोलियरी में तीन अवैध खनन स्थल को चिन्हित करते हुए उसे भारी का कराने का निर्देश एसएमपी योग्य करियर को दिया था। गुरुवार को चिन्हित अन्य दो अवैध खनन स्थल को भरा जाए। इस कार्वाई में गुरुवार को बरोरा पुलिस के अलावे



कोयला मंत्रालय के निर्देश पर गोफ की भराई करता हाज़ार।

मधुवन पुलिस का भी सहयोग लिया जाएगा। कोयला मंत्रालय द्वारा चिन्हित तीन अवैध खनन स्थलों में सायलो दुन्हु (महेशपुर) के नजदीक

कोयला मंत्रालय के निर्देश पर गोफ की भराई करता हाज़ार।

अवैध खनन स्थल, सेवन पैच

जगली बाबा मंदिर के नीचे व बंद मधु कोन आउटसोर्सिंग खदान के बूँद पैइंट के समीप है।

■ भराई के बाद स्थल की जियो टैग फोटोग्राफ भी डालने को कहा।

■ बूँद बैरियर लगाने, सुरक्षा गार्ड की स्थायी तैनाती एवं वाहनों के परिचालन पर रोक

बीसीसीएल की कार्वाई से कोयला चोरों में हड़कंप

बीसीसीएल की इस कार्वाई से कोयला चोरों में हड़कंप है। अवैध खनन स्थल भराई के दौरान एसएमपी कोलियरी के सेपटी मैनेजर पीपों, प्रभारी मैनेजर उत्तम मिश्र, असिस्टेंट मैनेजर आशीष कुमार, नोडल अधिकारी नवल किशोर महतो, बरोरा शिकायत के साथ अधिकारी सर्टेंड प्रार्थी एप इसकी जियो टैग के बाजान उत्पत्ति थी। इन तीन अवैध खनन स्थल की ओर जाने वाली कोंडों के बीच करने, बूँद बैरियर लगाने, सुरक्षा गार्ड की स्थायी तैनाती एवं वाहनों के परिचालन पर रोक लगाने को कहा गया है।

एसीसी सीमेंट सिंदरी कारखाना में काम के दौरान बीमार मजदूर की मौत के बाद हंगामा

मुआवजा व नियोजन मिलने पर 48 घंटे बाद हटायाकर्मी का थाव

वार्ता

- परिजनों को मिला 11 लाख रुपए मात्राज्ञाव आश्रित को नियोजन
- वार्ता में मांगों पर पहल करने के बाद लोगों ने आंदोलन खत्म किया



मुतक की पत्नी संघ्या मंडल को समझौता पत्र देते अधिकारी व अन्य नेता।

पर चौथी बार वार्ता हुई। जिसमें प्रबंधन ने मुआवजा व नियोजन देने पर सहमति जारी।

आंदोलन में ज्ञामुमों के राम मंडल, धरनीधर मंडल, मासस के केंद्रीय सचिव चंद्रेव महोत, भाजपा ग्रामीण जिलाध्यक्ष धनशयम ग्रोवर, लखीराम सोरेन, कोयेस अध्यक्ष अजय कुमार, भाजपा माले के बिलल राखनी, सुबल गोराई अशोक मंडल शमिल थे। ज्ञामुमों

को उसकी मौत हो गई। मौत होने के बाद सोमवार को उसका शब्द उसके आवास पर पहुंचे व मंगलवार सुबह से लोगों ने एसीसी गेट के पास शर खक्कर नियोजन व मुआवजा की वार्ता विफल होने पर बुधवार को सीमेंट कारखाने का शब्द उत्तराधीन विफल हो गई थी। सर्वदलीय आंदोलन के दबाव में अकर प्रबंधन ने सीमेंट वर्क्स में एक आश्रित को अस्थान नियोजन, परियोजना को 11 लाख रुपया मुआवजा व वास संस्कर के लिए 20 हजार रुपए दिया।

बताते चले कि शुक्रवार की शाम को काम के दौरान तपन मंडल बोला हो गया था। तपन मंडल के आश्रित को नियोजन व मुआवजा देने की मांग को लेकर मंगलवार से कई दौर की वार्ता हुई। लोकन विफल हो गई थी। सर्वदलीय आंदोलन के दबाव में अकर प्रबंधन ने सीमेंट वर्क्स में एक आश्रित को अस्थान नियोजन, परियोजना को 11 लाख रुपया मुआवजा व वास संस्कर के लिए 20 हजार रुपए दिया।

बताते चले कि शुक्रवार की शाम को काम के दौरान तपन मंडल बोला हो गया था। तपन मंडल के लिए रांची रिस्म से उत्तराधीन विफल हो गया था। उसे लिलाक के लिए रांची रिस्म से उत्तराधीन विफल हो गया था।

बताते चले कि शुक्रवार की शाम को काम के दौरान तपन मंडल बोला हो गया था। उसे लिलाक के लिए रांची रिस्म से उत्तराधीन विफल हो गया था।

बताते चले कि शुक्रवार की शाम को काम के दौरान तपन मंडल बोला हो गया था। उसे लिलाक के लिए रांची रिस्म से उत्तराधीन विफल हो गया था।

बताते चले कि शुक्रवार की शाम को काम के दौरान तपन मंडल बोला हो गया था। उसे लिलाक के लिए रांची रिस्म से उत्तराधीन विफल हो गया था।

बताते चले कि शुक्रवार की शाम को काम के दौरान तपन मंडल बोला हो गया था। उसे लिलाक के लिए रांची रिस्म से उत्तराधीन विफल हो गया था।

बताते चले कि शुक्रवार की शाम को काम के दौरान तपन मंडल बोला हो गया था। उसे लिलाक के लिए रांची रिस्म से उत्तराधीन विफल हो गया था।

बताते चले कि शुक्रवार की शाम को काम के दौरान तपन मंडल बोला हो गया था। उसे लिलाक के लिए रांची रिस्म से उत्तराधीन विफल हो गया था।

बताते चले कि शुक्रवार की शाम को काम के दौरान तपन मंडल बोला हो गया था। उसे लिलाक के लिए रांची रिस्म से उत्तराधीन विफल हो गया था।

बताते चले कि शुक्रवार की शाम को काम के दौरान तपन मंडल बोला हो गया था। उसे लिलाक के लिए रांची रिस्म से उत्तराधीन विफल हो गया था।

बताते चले कि शुक्रवार की शाम को काम के दौरान तपन मंडल बोला हो गया था। उसे लिलाक के लिए रांची रिस्म से उत्तराधीन विफल हो गया था।

बताते चले कि शुक्रवार की शाम को काम के दौरान तपन मंडल बोला हो गया था। उसे लिलाक के लिए रांची रिस्म से उत्तराधीन विफल हो गया था।

बताते चले कि शुक्रवार की शाम को काम के दौरान तपन मंडल बोला हो गया था। उसे लिलाक के लिए रांची रिस्म से उत्तराधीन विफल हो गया था।

बताते चले कि शुक्रवार की शाम को काम के दौरान तपन मंडल बोला हो गया था। उसे लिलाक के लिए रांची रिस्म से उत्तराधीन विफल हो गया था।

बताते चले कि शुक्रवार की शाम को काम के दौरान तपन मंडल बोला हो गया था। उसे लिलाक के लिए रांची रिस्म से उत्तराधीन विफल हो गया था।

बताते चले कि शुक्रवार की शाम को काम के दौरान तपन मंडल बोला हो गया था। उसे लिलाक के लिए रांची रिस्म से उत्तराधीन विफल हो गया था।

बताते चले कि शुक्रवार की शाम को काम के दौरान तपन मंडल बोला हो गया था। उसे लिलाक के लिए रांची रिस्म से उत्तराधीन विफल हो गया था।

बताते चले कि शुक्रवार की शाम को काम के दौरान तपन मंडल बोला हो गया था। उसे लिलाक के लिए रांची रिस्म से उत्तराधीन विफल हो गया था।

बताते चले कि शुक्रवार की शाम को काम के दौरान तपन मंडल बोला हो गया था। उसे लिलाक के लिए रांची रिस्म से उत्तराधीन विफल हो गया था।

बताते चले कि शुक्रवार की शाम को काम के दौरान तपन मंडल बोला हो गया था। उसे लिलाक के लिए रांची रिस्म से उत्तराधीन विफल हो गया था।

बताते चले कि शुक्रवार की शाम को काम के दौरान तपन मंडल बोला हो गया था। उसे लिलाक के लिए रांची रिस्म से उत्तराधीन विफल हो गया था।

बताते चले कि शुक्रवार की शाम को काम के दौरान तपन मंडल बोला हो गया था। उसे लिलाक के लिए रांची रिस्म से उत्तराधीन विफल हो गया था।

बताते चले कि शुक्रवार की शाम को काम के दौरान तपन मंडल बोला हो गया था। उसे लिलाक के लिए रांची रिस्म से उत्तराधीन विफल हो गया था।

बताते चले कि शुक्रवार की शाम को काम के दौरान तपन मंडल बोला हो गया था। उसे लिलाक के लिए रांची रिस्म से उत्तराधीन विफल हो गया था।

बताते चले कि शुक्रवार की शाम को काम के दौरान तपन मंडल बोला हो गया था। उसे लिलाक के लिए रांची रिस्म से उत्तराधीन विफल हो गया था।

बताते चले कि शुक्रवार की शाम को काम के दौरान तपन मंडल बोला हो गया था। उसे लिलाक के लिए रांची रिस्म से उत्तराधीन विफल हो गया था।

बताते चले कि शुक्रवार की शाम को काम के दौरान तपन मंडल बोला हो गया था। उसे लिलाक के लिए रांची रिस्म से उत्तराधीन विफल हो गया था।

बताते चले कि शुक्रवार की शाम को काम के दौरान तपन मंडल बोला हो गया था। उसे लिलाक के लिए रांची रिस्म से उत्तराधीन विफल हो गया था।

विरल अयोग्यता

भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ओलंपिक में स्वर्ण की दावेदार थीं, पर उन्हें महज 100 ग्राम वजन ज्यादा होने की बजाए से अयोग्य करार देना दुखद और अफसोसनक है। मंगलवार को एक के बाद एक तीन मुकदमों जीतने और फाइनल में पहुंचने के बाद विनेश ने अपनी मां से कहा था, 'सोना लाना है।' दूर्भाग्य, विनेश ही नहीं, देश का एक सपना अधूरा रह गया। ओलंपिक में पहली बार कोई भारतीय महिला कुश्ती के फाइनल में पहुंची थी। उसे मंगलवार तक 50 किलोग्राम वर्ग में दुनिया का योग्यतम पहलवान माना जा रहा था, पर न जाने एक दिन या एक रात में क्या हो गया कि उनका वजन कुछ ग्राम बढ़ गया और वह अयोग्य करार दे दी गई? बेशक, अब यह विवाद लंबे समय तक बहस का विषय रहेगा। ओलंपिक के नियम अमानवीय ही नहीं, अन्यायपूर्ण भी हैं। कल अगर विनेश का वजन ठीक था, तब कल तक की उनकी जीत को तो मान्यता मिलनी चाहिए थी? अगर किसी दिन खिलाड़ी का वजन कुछ बढ़ जाए तो उसकी पिछली उपलब्धियों को क्या शून्य मान लिया जाए? यह शायद हमेशा कहा जाएगा कि विनेश अगर फाइनल खेलने योग्य नहीं थीं, तो उन्हें कम से कम रजत पदक मिलना चाहिए।

कहना न होगा, भारतीय ओलंपिक के इतिहास में एक स्थान

अध्याय जुड़ गया है। भारत को अपना विवेद अवश्य दर्ज कराना

चाहिए और विनेश के पदक के लिए हरसंभव प्रयास करने चाहिए। क्या भारत के साथ कोई तकनीकी खिलाड़ी किया गया है? वजन बढ़ने के लिए कौन जिम्पेडा है?

पूरा सच सामने आना चाहिए। ऐसे लोगों की दुनिया में कोई जान नहीं, जिनकी खिलाड़ीयों और देश में निष्ठा नहीं है। विनेश की

तकलीफ का अंदाज लगाया जा सकता है, पर प्रधानमंत्री ने दो मोदी

ने जिसका एक विवेश का अंदाज लगाया जा सकता है, उससे भी खिलाड़ीयों का मनोबल बढ़ेगा। प्रधानमंत्री का यह

कहना बहुत मायने रखता है कि

'विनेश, आप चैपियनों में चैपियन हो।' आप भारत का गौरव हो और

प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा हो।' आज विनेश के साथ खड़े होने की जरूरत है। उनकी शक्तियों का समाधान करने की जरूरत है।

अगर कोई विनेश की राह में रोड़ा बना है, तो उसकी जरूर पहचान होनी चाहिए। जो देश अपने खिलाड़ीयों के साथ खड़ा नहीं हो

सकता, उसका किसी भी पदक पहलक होनी चाहिए। हम क्रिकेट जैसे कुछ

ही खेलों में खिलाड़ीयों के साथ खड़े होते हैं, तो जाहिर है, कुछ ही

पदक हमारी झोली में आते हैं। आज ओलंपिक पदक तालिका में हमें

अपना स्थान खोजने में परेशानी हो ही है, तो हमें खेलों और

खिलाड़ीयों के प्रति अपना रखवा सुधारने पर जागरूक होना चाहिए।

बेहतर सक्षम पहलवान विनेश फोगाट का अयोग्य घोषित होना

तमाज खिलाड़ीयों के लिए एक सबक बने। अगर किसी रस्ते पर

साजिश या गड़बड़ी हुई है, तो खिलाड़ीयों को मिलकर खामियों पर

सख्ती से उंगली रखनी चाहिए। आज जो कीमी रह गई है, वह दोबारा

की ओर बढ़कर करना होगा। दोपहर दर्ज की खेल-समझ बाले

नेताओं के पांछे खड़े होने के बाजाय आगे आकर फैसले लेने पड़ेगे।

पदक बेहार खेल से मिलेंगे, जिनमें से जिनमें अब खिलाड़ीयों की

योग्यता ही नहीं, बल्कि उनके सहयोगी स्टाफ की योग्यता भी गंभीर

विषय बने, तो ही हमारी कामयाबी का कारबां आगे बढ़ेगा।

बेहतर सक्षम पहलवान विनेश फोगाट का अयोग्य घोषित होना

तमाज खिलाड़ीयों के लिए एक सबक बने। अगर किसी रस्ते पर

प्रायिक भारतीय के आड़े न आए, यह प्रबंध स्वयं खिलाड़ीयों पर

जारी किया जाए। आज जो कीमी रह गई है, वह दोबारा

की ओर बढ़कर करना होगा। दोपहर दर्ज की खेल-समझ बाले

नेताओं के पांछे खड़े होने के बाजाय आगे आकर फैसले लेने पड़ेगे।

पदक बेहार खेल से मिलेंगे, जिनमें से जिनमें अब खिलाड़ीयों की

योग्यता ही नहीं, बल्कि उनके सहयोगी स्टाफ की योग्यता भी गंभीर

विषय बने, तो ही हमारी कामयाबी का कारबां आगे बढ़ेगा।

बेहतर सक्षम पहलवान विनेश फोगाट का अयोग्य घोषित होना

तमाज खिलाड़ीयों के लिए एक सबक बने। अगर किसी रस्ते पर

प्रायिक भारतीय के आड़े न आए, यह प्रबंध स्वयं खिलाड़ीयों पर

जारी किया जाए। आज जो कीमी रह गई है, वह दोबारा

की ओर बढ़कर करना होगा। दोपहर दर्ज की खेल-समझ बाले

नेताओं के पांछे खड़े होने के बाजाय आगे आकर फैसले लेने पड़ेगे।

पदक बेहार खेल से मिलेंगे, जिनमें से जिनमें अब खिलाड़ीयों की

योग्यता ही नहीं, बल्कि उनके सहयोगी स्टाफ की योग्यता भी गंभीर

विषय बने, तो ही हमारी कामयाबी का कारबां आगे बढ़ेगा।

बेहतर सक्षम पहलवान विनेश फोगाट का अयोग्य घोषित होना

तमाज खिलाड़ीयों के लिए एक सबक बने। अगर किसी रस्ते पर

प्रायिक भारतीय के आड़े न आए, यह प्रबंध स्वयं खिलाड़ीयों पर

जारी किया जाए। आज जो कीमी रह गई है, वह दोबारा

की ओर बढ़कर करना होगा। दोपहर दर्ज की खेल-समझ बाले

नेताओं के पांछे खड़े होने के बाजाय आगे आकर फैसले लेने पड़ेगे।

पदक बेहार खेल से मिलेंगे, जिनमें से जिनमें अब खिलाड़ीयों की

योग्यता ही नहीं, बल्कि उनके सहयोगी स्टाफ की योग्यता भी गंभीर

विषय बने, तो ही हमारी कामयाबी का कारबां आगे बढ़ेगा।

बेहतर सक्षम पहलवान विनेश फोगाट का अयोग्य घोषित होना

तमाज खिलाड़ीयों के लिए एक सबक बने। अगर किसी रस्ते पर

प्रायिक भारतीय के आड़े न आए, यह प्रबंध स्वयं खिलाड़ीयों पर

जारी किया जाए। आज जो कीमी रह गई है, वह दोबारा

की ओर बढ़कर करना होगा। दोपहर दर्ज की खेल-समझ बाले

नेताओं के पांछे खड़े होने के बाजाय आगे आकर फैसले लेने पड़ेगे।

पदक बेहार खेल से मिलेंगे, जिनमें से जिनमें अब खिलाड़ीयों की

योग्यता ही नहीं, बल्कि उनके सहयोगी स्टाफ की योग्यता भी गंभीर

विषय बने, तो ही हमारी कामयाबी का कारबां आगे बढ़ेगा।

बेहतर सक्षम पहलवान विनेश फोगाट का अयोग्य घोषित होना

तमाज खिलाड़ीयों के लिए एक सबक बने। अगर किसी रस्ते पर

प्रायिक भारतीय के आड़े न आए, यह प्रबंध स्वयं खिलाड़ीयों पर

जारी किया जाए। आज जो कीमी रह गई है, वह दोबारा

की ओर बढ़कर करना होगा। दोपहर दर्ज की खेल-समझ बाले

नेताओं के पांछे खड़े होने के बाजाय आगे आकर फैसले लेने पड़ेगे।

पदक बेहार खेल से मिलेंगे, जिनमें से जिनमें अब खिलाड़ीयों की

योग्यता ही नहीं, बल्कि उनके सहयोगी स्टाफ की योग्यता भी गंभीर

विषय बने, तो ही हमारी कामयाबी का कारबां आगे बढ़ेगा।

बेहतर सक्षम पहलवान विनेश फोगाट का अयोग्य घोषित होना

तमाज खिलाड़ीयों के लिए एक सबक बने। अगर किसी रस्ते पर

प्रायिक भारतीय के आड़े न आए, यह प्रबंध स्वयं खिलाड़ीयों पर

जारी किया जाए। आज जो कीमी रह गई है, वह दोबारा

की ओर बढ़कर करना होगा। दोपहर दर्ज की खेल-समझ बाले

नेताओं के पांछे खड़े होने के बाजाय आगे आकर फैसले लेने पड़ेगे।

पदक बेहार खेल से मिलेंगे, जिनमें से जिनमें अब खिलाड़ीयों की

एक साथ दो डिग्री लेकर बढ़ाएं मौके

अब शिक्षा के तौर-तरीके बदल रहे हैं। विदेश में शिक्षा लेनी हो या कम समय में जॉब मार्केट के लिए तैयार होना हो, परंपरागत रूप से एक-एक कर डिग्री कोर्स करने के बजाय अब समय की बचत करते कई रास्ते खुले हैं। एक साथ दो एकेडेमिक प्रोग्राम करने का विकल्प है, तो वहीं चार वर्षीय ऑनर्स कोर्स का रास्ता भी बारहवीं के बाद मिल रहा है। कम समय में ज्यादा योग्यता पाने पर स्पष्टता दे रहे हैं हमारे विशेषज्ञ

Hर युवा जल्द से जल्द जॉब जगत का हिस्सा बनना चाहता है। लेकिन अपने क्षेत्र का प्रशिक्षण और शिक्षा पूरी करने में उसे एक तर यह समय तो लगता ही है। इसे में कूछ विकल्प हैं, जिन्हें अपनाकर आप समय की बचत के साथ बेहतर सिक्कल ले सकते हैं। जैसे इंटीग्रेटेड डिग्री का विकल्प, जो काफी समय से उपलब्ध है। वहीं नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 के तहत अब छात्रों को एक ही समय में दो पॉर्कार्सिंग डिग्री प्रोग्राम करने के बाद विकल्प भी प्राप्त है। यूरोपीय देशों में यह विकल्प काफी पहले से उपलब्ध है। दिल्ली यूनिवर्सिटी में इसकी शुरुआत हो चुकी है।

दो डिग्री कोर्स में क्या है अलग

नए विकल्प में दो एकेडेमिक प्रोग्राम एक साथ करने पर दो एकादश अलग डिग्रियां मिलती हैं। वहीं, पहले से चला आ रहा इंटीग्रेटेड डुअल डिग्री कोर्स अंडरग्रेजुएट और ग्रेजुएट प्रोग्राम को एक साथ जोड़ता है। जैसे बीटेक और एमेटेक। यह एक से पांच साल तक का होता है और पूरा होने पर एक ही डिग्री मिलती है।

शर्तें रखें ध्यान

दो एकेडेमिक प्रोग्राम एक साथ करने के नए विकल्प का चयन करते हैं, तो यह ध्यान रखें:

- एक कोर्स के टाइम कोर्स दूसरे कोर्स की कार्रवाई के टाइम से अलग हो।
- दो डिग्री कोर्स में एक कोर्स जिक्जित मोड में दूसरा कोर्स ओपन व डिटेंस लर्निंग या ऑनलाइन मोड में या दोनों कोर्स ऑपन एंड डिटेंस लर्निंग अथवा ऑनलाइन मोड में हो।
- दोनों पाठ्यक्रम समान स्तर के हों, यानी एक



क्या है ज्वाइंट डिग्री और ट्रिवनिंग डिग्री

ज्वाइंट डिग्री

ज्वाइंट और ट्रिवनिंग डिग्री का विकल्प ही है। इसमें भारतीय विदेशी विश्वविद्यालयों की संयुक्त डिग्री मिलती है। पढ़ाई देश में ही होती, मगर कोर्स दो अलग विश्वविद्यालय तय करत है। कार्स के बाद आपको एक ही सर्टिफिकेट मिलता है, मगर उस पर दोनों विश्वविद्यालयों का नाम होता है।

ग्रेजुएट स्तर का और दूसरा पीजी स्तर का कोर्स नीं कर सकते। दोनों कोर्स यूजीसी से मान्यता प्राप्त होती है। यह एक ही संस्थान या दो अलग संस्थानों से भी किया जा सकता है।

क्या होगा फायदा

इस तरह के प्रोग्राम से समय की बचत होती है। साथ ही दो डिग्री लेकर छात्र दो अलग-अलग क्षेत्रों में

ट्रिवनिंग डिग्री

इसमें भारतीय विदेशी विश्वविद्यालयों में संयुक्त डिग्री मिलती है। पढ़ाई देश में ही होती, मगर कोर्स दो अलग विश्वविद्यालय तय करत है। कार्स के बाद आपको एक ही सर्टिफिकेट मिलता है, मगर उस पर दोनों विश्वविद्यालयों का नाम होता है।

अपना ध्यान रखते हैं। यह विशेषकर उन क्षेत्रों में लाभकारी होता है, जहां बहु-स्तरीय विशेषज्ञता होती है। जैसे कि डेटा साइंस, बायोटेक्नोलॉजी या अधिक और कानूनी क्षेत्र। जो युवा प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में कूछ साल गंभीर देते हैं, उनके लिए भी यह विश्वविद्यालय यूनिवर्सिटी की हिस्सेदारी 70 फीसदी या उससे अधिक रहती है।

अपना ध्यान रखते हैं। यह विशेषकर उन क्षेत्रों में लाभकारी होता है, जहां बहु-स्तरीय विशेषज्ञता होती है। जैसे कि डेटा साइंस, बायोटेक्नोलॉजी या अधिक और कानूनी क्षेत्र। जो युवा प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में कूछ साल गंभीर देते हैं, उनके लिए भी यह विश्वविद्यालय यूनिवर्सिटी की हिस्सेदारी 70 फीसदी या उससे अधिक रहती है।

इन पर विचार करें

- दो डिग्री कोर्स एक साथ करने के मौके का इस्सेमाल खुद को स्किल देने में करें। एक डिग्री कोर्स और दूसरा डिल्ली में फैसला भी रहता है। वार्षीय डिग्री (ऑनर्स) प्रोग्राम के तहत नियम है कि कोर्स का पहला साल पूरा करके छोड़ने पर सर्टिफिकेट मिलता। दूसरे साल में डिल्ली और तीन साल में सामान्य डिग्री मिलती है। यानी कोर्स (ऑनर्स) करने वाले छात्रों को तीन साल के बाद बीकॉम की बाबत नहीं गया। तो यह विशेषज्ञता की बाबत नहीं होती है। जैसे डिल्ली में फैसला भी रहता है। वार्षीय डिग्री कोर्स के तहत नियम है कि कोर्स का पहला साल पूरा करके छोड़ने पर सर्टिफिकेट मिलता। यहाँ इन साल आपको आवेदन करना कर सकते हैं।
- अगर आप एक साथ दो पाठ्यक्रमों के लिए टाइम नहीं देते हैं, तो यह विशेषज्ञता की बाबत नहीं होती है। यहाँ इन साल आपको आवेदन करना कर सकते हैं।
- इसमें दो कोर्स का खुला ही अवधि में होगा। इसके बारे में भी सोचें।

जानकारी कैसे लें

जहां प्रवेश ले रहे हैं उन पर विश्वविद्यालय से या उसके पोर्टल से जानकारी जरूर ले। यूजीसी की वेबसाइट www.ugc.gov.in पर दो एकेडेमिक प्रोग्राम एक साथ करने के नियम दिए गए हैं। इस लिंक से भी पहले एक ही अवधि में होगा। इसके बारे में भी सोचें।

जानकारी कैसे लें

जहां प्रवेश ले रहे हैं उनके बाबत नहीं हैं, उनके लिए यह बहुत अच्छा है। आप छात्र विदेशी जाते हैं, वे बेकार नहीं जाते हैं। यहाँ इन साल आपको आवेदन करना कर सकते हैं।

■ यो लोग विदेश से आगे की पढ़ाई करना चाहते हैं, उनके लिए यह बहुत अच्छा है। आप छात्र विदेशी जाते हैं, वे बेकार नहीं जाते हैं। यहाँ इन साल आपको आवेदन करना कर सकते हैं।

■ अगर आप एक साथ दो पाठ्यक्रमों के लिए टाइम नहीं देते हैं, तो यह उपयोग होता है।

■ इसमें दो कोर्स का खुला ही अवधि में होगा। इसके बारे में भी सोचें।

जानकारी कैसे लें

जहां प्रवेश ले रहे हैं उन पर विश्वविद्यालय से या उसके पोर्टल से जानकारी जरूर ले। यूजीसी की वेबसाइट www.ugc.gov.in पर दो एकेडेमिक प्रोग्राम एक साथ करने के नियम दिए गए हैं। इस लिंक से भी पहले एक ही अवधि में होगा। इसके बारे में भी सोचें।

जानकारी कैसे लें

जहां प्रवेश ले रहे हैं उनके बाबत नहीं हैं, उनके लिए यह बहुत अच्छा है। आप छात्र विदेशी जाते हैं, वे बेकार नहीं जाते हैं। यहाँ इन साल आपको आवेदन करना कर सकते हैं।

■ यो लोग विदेश से आगे की पढ़ाई करना चाहते हैं, उनके लिए यह बहुत अच्छा है। आप छात्र विदेशी जाते हैं, वे बेकार नहीं जाते हैं। यहाँ इन साल आपको आवेदन करना कर सकते हैं।

■ अगर आप एक साथ दो पाठ्यक्रमों के लिए टाइम नहीं देते हैं, तो यह उपयोग होता है।

■ इसमें दो कोर्स का खुला ही अवधि में होगा। इसके बारे में भी सोचें।

जानकारी कैसे लें

जहां प्रवेश ले रहे हैं उनके बाबत नहीं हैं, उनके लिए यह बहुत अच्छा है। आप छात्र विदेशी जाते हैं, वे बेकार नहीं जाते हैं। यहाँ इन साल आपको आवेदन करना कर सकते हैं।

■ यो लोग विदेश से आगे की पढ़ाई करना चाहते हैं, उनके लिए यह बहुत अच्छा है। आप छात्र विदेशी जाते हैं, वे बेकार नहीं जाते हैं। यहाँ इन साल आपको आवेदन करना कर सकते हैं।

■ अगर आप एक साथ दो पाठ्यक्रमों के लिए टाइम नहीं देते हैं, तो यह उपयोग होता है।

■ इसमें दो कोर्स का खुला ही अवधि में होगा। इसके बारे में भी सोचें।

जानकारी कैसे लें

जहां प्रवेश ले रहे हैं उनके बाबत नहीं हैं, उनके लिए यह बहुत अच्छा है। आप छात्र विदेशी जाते हैं, वे बेकार नहीं जाते हैं। यहाँ इन साल आपको आवेदन करना कर सकते हैं।

■ यो लोग विदेश से आगे की पढ़ाई करना चाहते हैं, उनके लिए यह बहुत अच्छा है। आप छात्र विदेशी जाते हैं, वे बेकार नहीं जाते हैं। यहाँ इन साल आपको आवेदन करना कर सकते हैं।

■ अगर आप एक साथ दो पाठ्यक्रमों के लिए टाइम नहीं देते हैं, तो यह उपयोग होता है।

■ इसमें दो कोर्स का खुला ही अवधि में होगा। इसके बारे में भी सोचें।

मिशन ओलंपिक

26 जुलाई से 11 अगस्त

विनेश, तुम हमारे लिए अब भी चैंपियन हो... पूरा देश इस वक्त विनेश के साथ खड़ा है। भले ही भारत की यह बेटी स्वर्ण पदक से महरूम रह गई मगर वह भारत के लिए हमेशा विजेता रहेंगी जिन्होंने हर मुश्किल हालात को पाटखनी दे दी। विनेश अयोग्य जरूर हुई मगर यह भी सच है कि उन्हें कोई हरा नहीं सका। फिर यह अब तक अपराजेय रही गत ओलंपिक चैंपियन ही क्यों न हो। हर भारतवासी उनके साथ है इस उम्मीद के साथ कि यह 'शेरनी' एक बार फिर उठ खड़ी होगी और दहाड़ेगी।

बाल काटे, कपड़े छोटे किए ताकि वजन घटे

वजन कम करने की प्रक्रिया को समझें

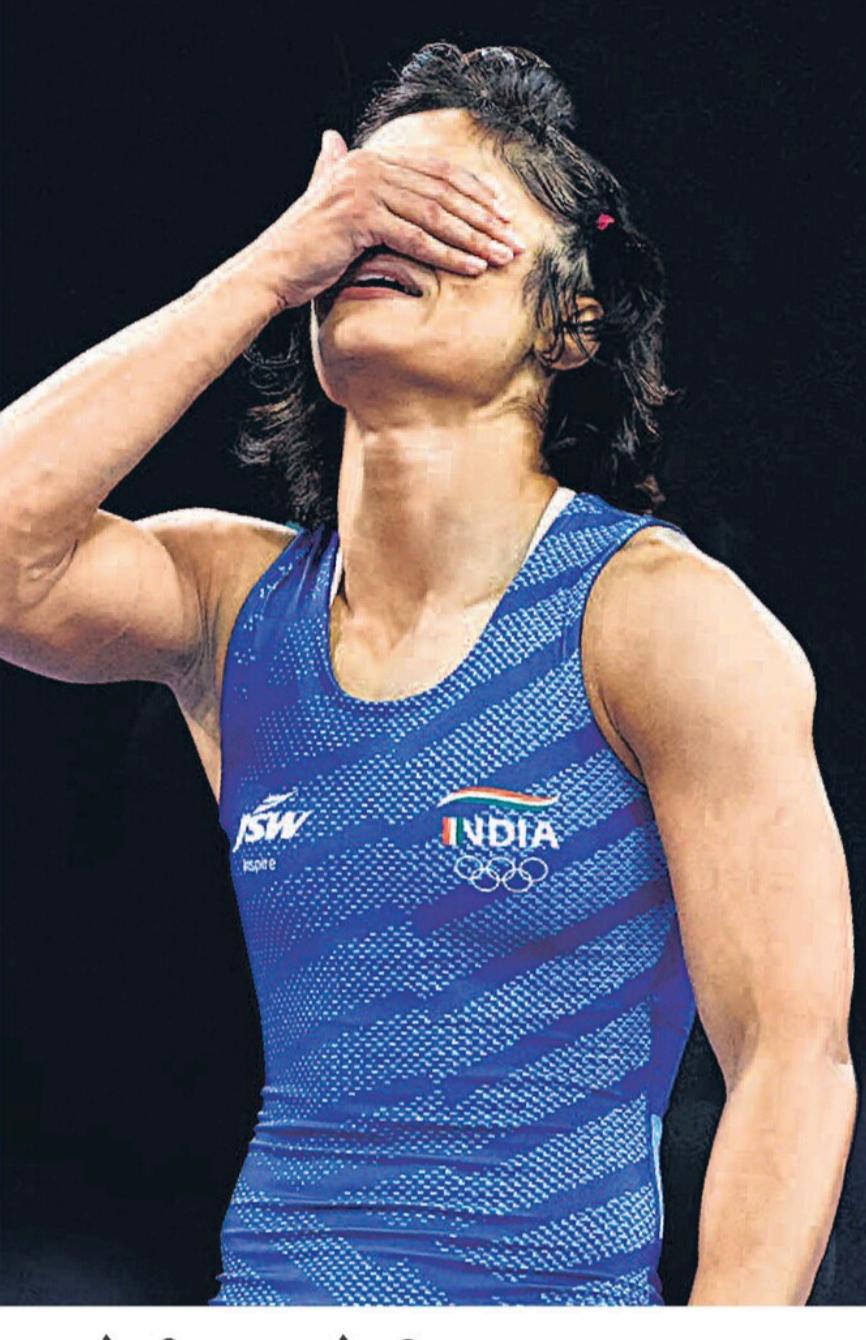
- भोजन - पानी सीमित किया: सुबह वजन करने से पहले वजन में कमानी दी। उन्होंने कहा, हमने शतभर वजन को दायरे में लाने के लिए हर सभव का काशकश की। वहाँ तक कि उनके बाल काटे, कपड़े भी छोटे किए, खाना नहीं दिया, व्यायाम कराया मगर 50 किलो लगाव बढ़ेगा पर वह ज्यादा हो गया।
- पर्सिस, एजेंसी। विनेश फोगाट की मेडिकल टीम के प्रमुख डॉ. दिनरां पर्सिस वाला ने बुधवार को वहलावान का वजन कम करने के प्रयासों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा, हमने शतभर वजन को दायरे में लाने के लिए हर सभव का काशकश की। वहाँ तक कि उनके बाल काटे, कपड़े भी छोटे किए, खाना नहीं दिया, व्यायाम कराया मगर 50 किलो लगाव बढ़ेगा पर वह ज्यादा हो गया।
- अधिक ऊर्जा वाला भेजन: वजन करने के बाद अधिक ऊर्जा वाला भेजन दिया जाता है ताकि पहलवान ताकत वापस हासिल कर सके।
- पोषण विशेषज्ञ की नियमानी: पोषण विशेषज्ञ के विनेश के हिसाब से उनके भोजन की गणना की। विशेषज्ञ को लगा कि विनेश को पूरे दिन में 1.5 किलोग्राम वीजें खानी चाहिए जिससे मौके के लिए प्रयोग कर्ज़ी मिलेगी।

2016 में यहाँ हुई थीं अयोग्य विनेश फोगाट को इससे पहले 2016 में ऑलंपिक व्यालांडिंग स्पर्धा से 400 ग्राम अधिक वजन होने के कारण अयोग्य ठहराया गया था।

पेरिस में बाधा बना वजन » ■ इटली की एमी-न्यूलाता लियुजी (कुश्ती) ■ अंजीरिया के मेसाउड डिस (जुड़ी) ■ स्लोवाकिया के बेटी-द्वेष काकुलोव (कुश्ती) ■ रूस के दानिला सेमेनोव (मुक्केबाज़)

फोगाट ने भारतीय कोच से कहा, यह खेल का हिस्सा

विनेश फोगाट ने बुधवार को ओलंपिक से बाहर किया जाने के बाद भारतीय कोच से कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जीतने से बुक गए, लेकिन वह खेल का विस्तार है। महिलाओं के राष्ट्रीय कोच बीरेंद्र दविया और मंतीर रामी ने इस पहलवान से मूलाकात की। दविया ने कहा, हमने विनेश से मूलाकात कर उसे सातवा देने की काशकश की। वह हिम्मतवाली है। कई आईओए अधिकारी भी वहाँ मौजूद थे।



सहयोगी स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई हो: कुश्ती महासंघ

पेरिस। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष साथ जुड़े सहयोगी स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि हम सुनिश्चित करने के प्रयास कर रहे हैं कि ओलंपिक दल का मनोवैज्ञानिक टेम्परेटर की गतिशीलता वाली वाले के लिए अपील दायर कर दी है। उन्होंने कहा कि हम सुनिश्चित करने के लिए अपील दायर कर दी है। उन्होंने कहा, मैंने कुछ समय पहले ओलंपिक खेल गांव के पुनर्विवार के लिए अपील दायर कर दी है। उन्होंने कहा, मैंने कुछ समय पहले ओलंपिक खेल गांव के पुनर्विवार के लिए अपील दायर कर दी है। कोच, सहयोगी स्टाफ, फिजियो और पोषण विशेषज्ञों को पूरी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं भारत सरकार से सभी जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का अनुरोध करता हूं। वह कैसे वजन सीमा से अधिक

अब कुछ नहीं हो सकता : विश्व रेसलिंग अध्यक्ष

यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूएफएल्यू) के अध्यक्ष नेनाद लालोविक के नेतृत्व में नहीं रखने की गलती स्वीकार्य नहीं है। विनेश को लिए मूझे सकता। हमें नियमों का समान करना चाहिए। विनेश के लिए मूझे बहुत दूर है। वजन बहुत कम था। लेकिन नियम तो नियम होते हैं और सारी बात सार्वजनिक है।

हो गई, इसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं भारत सरकार से सभी जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का अनुरोध करता हूं।

सोशल मीडिया से खेल प्रशंसक बोले, दिल टूट गया

नई दिल्ली। विनेश को अद्योग्य करार देने पर खेल प्रेमी निराश हैं। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया पर रोप जाते हुए कहा कि आज दिल टूट गया। एक प्रांसुपक ने लिखा, विनेश के ओलंपिक सफर का यह कूर अंत है। वह जीत की गाह पर असर थी। एक अन्य ने लिखा, भारत के लिए 2024 ओलंपिक का सप्ताह बड़ा छटाक। विनेश को सी ग्राम वजन अधिक पाए जाने के कारण ओलंपिक से बाहर कर दिया गया। भारत की शेरनी जो स्वर्ण जीते वाली थी, अब पदक के बिना लौटी। दिल टूट गया है। कुछ ने लिखा, पूरा देश दस्तब्ब करता हूं।

पेरिस, एजेंसी। भारत के लिए बुधवार का दिन निराशजनक हो। सुबह से लेकर देर रात तक भारत को मायथी ही मिली। पहलवान विनेश फोगाट के अद्योग्य घोषित होने के बाद इतरारेड चानू (49 किलो) पर थी। पर वह कांस्य पदक से चूक गई। अंतिम समय में उन्हें चौथे स्थान से संतुष्ट करना पड़ा। विनेश भी अपेक्षित था। जहाँ तक आउट कर देता है और गहरे जाता है।

पेरिस। नीरज चोपड़ा की नजर इतिहास रचने पर

पेरिस। नीरज चोपड़ा ने व्यालांफिशेन राउंड में 89.34 मीटर भारी फेंक के बाद अप्रतिद्विधि को लोट जीतने वाली मारिया की भी चानू कुल 199 किलो वजन (88 स्नैच, 111 बलीन एंड जर्क) उठाकर चौथे स्थान पर रही। चीन की होट चिन्हुई कुल 206 किलो ग्राम वजन उठाकर (89 स्नैच, 112 बलीन एंड जर्क) लगातार दूसरी बार चौथे पदक बनी। उन्होंने आरोपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण जीता।

रजत रोमनिया की मिहेला कैम्ब्रेंड कुल 205 किलो (93 स्नैच, 112 बलीन एंड जर्क) और कांस्य थाल्सैंड की एक खम्बाओं कुल 200 किलो (88 स्नैच, 112 बलीन एंड जर्क) ने जीता। मीरा अगर टोक्यो (202 किलो) के बराबर वजन उठाले लौटीं तो कांसा जीता जाती।

चौथे स्थान पर रहने वाली छठी :

मीरा सिर्फ एक किलो वजन से चूक कर कांसे से भूमिका हो गई।

वह छठी भारतीय हैं जो पेरिस में पदक के करीब आकर चूकी।

पहले से कौटी चुनी थी : चोपड़ा ने टोक्यो ओलंपिक की रह यह भी कुछ सेकेंड में फालत के लिए व्यालांफिशेन कर दिया। एक दूसरा दूसरा चूकी है क्योंकि कुल ने खिलाड़ियों में से पांच ने अपेक्षित था।

पहले से कौटी चुनी थी : चोपड़ा ने टोक्यो ओलंपिक की रह यह भी कुछ सेकेंड में फालत के लिए व्यालांफिशेन कर दिया। एक दूसरा दूसरा चूकी है क्योंकि कुल ने खिलाड़ियों में से पांच ने अपेक्षित था।

पहले से कौटी चुनी थी : चोपड़ा ने टोक्यो ओलंपिक की रह यह भी कुछ सेकेंड में फालत के लिए व्यालांफिशेन कर दिया। एक दूसरा दूसरा चूकी है क्योंकि कुल ने खिलाड़ियों में से पांच ने अपेक्षित था।

पहले से कौटी चुनी थी : चोपड़ा ने टोक्यो ओलंपिक की रह यह भी कुछ सेकेंड में फालत के लिए व्यालांफिशेन कर दिया। एक दूसरा दूसरा चूकी है क्योंकि कुल ने खिलाड़ियों में से पांच ने अपेक्षित था।

पहले से कौटी चुनी थी : चोपड़ा ने टोक्यो ओलंपिक की रह यह भी कुछ सेकेंड में फालत के लिए व्यालांफिशेन कर दिया। एक दूसरा दूसरा चूकी है क्योंकि कुल ने खिलाड़ियों में से पांच ने अपेक्षित था।

पहले से कौटी चुनी थी : चोपड़ा ने टोक्यो ओलंपिक की रह यह भी कुछ सेकेंड में फालत के लिए व्यालांफिशेन कर दिया। एक दूसरा दूसरा चूकी है क्योंकि कुल ने खिलाड़ियों में से पांच ने अपेक्षित था।

पहले से कौटी चुनी थी : चोपड़ा ने टोक्यो ओलंपिक की रह यह भी कुछ सेकेंड में फालत के लिए व्यालांफिशेन कर दिया। एक दूसरा दूसरा चूकी है क्योंकि कुल ने खिलाड़ियों में से पांच ने अपेक्षित था।

पहले से कौटी चुनी थी : चोपड़ा ने टोक्यो ओलंपिक की रह यह भी कुछ सेकेंड में फालत के लिए व्यालांफिशेन कर दिया। एक दूसरा दूसरा चूकी है क्योंकि कुल ने खिलाड़ियों में से पांच ने अपेक्षित था।

पहले से कौटी चुनी थी : चोपड़ा ने टोक्यो ओलंपिक की रह यह भी कुछ सेकेंड में फालत के लिए व्यालांफिशेन कर दिया। एक दूसरा दूसरा चूकी है क्योंकि कुल ने खिलाड़ियों में से पांच ने अपेक्षित था।

पहले से कौटी चुनी थी : चोपड़ा ने टोक्यो ओलंपिक की रह यह भी कुछ सेकेंड में फालत के लिए व्यालांफिशेन कर दिया। एक दूसरा दूसरा चूकी है क्योंकि कुल ने खिलाड़ियों में से पांच ने अपेक्षित था।

पहले से कौटी चुनी थी : चोपड़ा ने टोक्यो ओलंपिक



हिंसा के चलते हिंदुओं की आबादी 30 से घटकर आठ फीसदी हुई भारत के लिए यूनुस से तालमेल बैठाना आसान

चिंताजनक

नई दिल्ली, एजेंसी। बांगलादेश में तखातपतल के बाद हिंसा और अगजीनों की घटनाएं सामने आ रही हैं। पीएम शेख हसीना को लेकर शुरू हुआ विवाद अब हिंदुओं के तक पहुंच गया है।

अब अवामी लीग पार्टी के कई नेताओं को जिया जला दिया गया, जिसमें हिंसे नेता भी शामिल थे। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में बांगलादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति खबर बहु हुई है। बांगलादेश सरकार की ओर से जारी जनगणना के अनुसार, देश में 91 फीसदी



बंटवारे के बाद से ही हिंसा

साल 1947 में भारत-पाकिस्तान बंटवारे के बाद से ही पूर्वी पाकिस्तान में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा बढ़ गई। बंटवारे के समय जो हिंसे 30 फीसदी थे, वे 1960-62 तक घटकर 22 फीसदी रह गए। पाकिस्तान ने काफी समय तक अल्पसंख्यकों पर अत्याचार किया। वर्ष 1971 में बांगलादेश मुक्तिसंग्राम के समय भी पाक सेना ने हिंदुओं के गांव के गांव उड़ा दिया थे। बताया जाता है कि इस दौरान 30 लाख से ज्यादा हिंदुओं को मार दिया गया था। देश से भाग दिया गया। इस रात से यहां हिंदु आबादी 13.5 फीसदी तक रह गई। 1971 में खत्म होने के बाद बांगलादेश के दौरान लगभग 2.8 मिलियन लोगों की हत्या कर दी गई और 10 मिलियन बेसहारा हो गए। इन्हें पाकिस्तानी सेना द्वारा शरणार्थी बना दिया गया। बांगलादेश में हिंदुओं को उनकी आस्ता के लिए लगातार निशाना बनाया है।

1971 में बांगलादेश

50 हजार से ज्यादा हिंदुओं का धर्म परिवर्तन कराया, जिससे 04 नवंबर, 1972 को बांगलादेश ने वर्तमान के बाद बेटाया गया।

देश बनने के बाद हिंदुओं का नरसंहार हुआ

07 जून 1988 को संविधान परिवर्तन के तहत खुद को धर्मनिरपेक्ष घोषित किया

मुरिलम 15,03,60,405
हिंदू 1,31,30,110
बौद्ध 1,007,468
इसाई 4,95,475
अन्य 1,98,190

संपत्ति कानून से भूमिहीन

बांगलादेश में भेदभाव और सांप्रदायिक हिंसा के कारण वे यहां दूसरे दर्जे के नागरिक के रूप में निवास कर रहे हैं। वहीं संपत्ति अधिनियम जैसे कानूनों के कारण लगभग 60 फीसदी हिंदू भूमिहीन हो गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि 1964 के बाद से लगभग 11.3 प्रतिशत हिंदुओं ने बांगलादेश जाए तो खालिदा जाया था सेना प्रमुख के हाथ में कमान जाने की तुलना में यूनुस बेंहरत विकल्प माने जा रहे हैं।

हालांकि, यूनुस भारत को लेकर अपनी टिप्पणियों से भी चर्चित रहे हैं जो मूलतः तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के संदर्भ में थी। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत विकल्प में यूनुस ने उन्हें तालेबानी के लिए उनके बैठने में मुश्किल नहीं होगी। अंतरिम सरकार के मुश्किल की तरफ से भी यूनुस को लिया जाना जारी है। यह साफ होना बाकी है, पर उन्हें आगे कि जाने से कुछ बातें स्पष्ट हो गई हैं। पहली बात कि वह शेख हसीना के खिलाफ विरोधी रहे हैं, इसलिए उन्हें यह मीठी पीला। अब यह माना जा रहा है कि हसीना को नीतियों की समीक्षा होगी। शेख हसीना के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों पर अमेरिका का वर भी उंगली उठ रही है जो यूनुस के मुश्किल बनाने के बाद और पूरा हुआ।

